

मंत्रपरिषद की बैठक के महत्त्वपूर्ण नरिणय

चर्चा में क्यों?

4 जनवरी, 2022 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शविराज सहि चौहान की अध्यक्षता में मंत्रपरिषद की बैठक हुई, जिसमें कई महत्त्वपूर्ण नरिणय लयि गए।

प्रमुख बदि

- मंत्रपरिषद के बैठक में 'आनंद वभिग'का गठन एवं 'अध्यात्म वभिग'का नाम परिवर्तित कर 'धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व वभिग'करने के लयि कार्य (आवंटन) नयिम में संशोधन का अनुमोदन कयिा गया।
- मंत्रपरिषद ने स्ट्रेण्थनगि टीचगि- लर्नगि एंड रजिलट्स फॉर स्टेट्स (स्टार्ट्स) कार्यक्रम के क्रयिानवयन की सैद्धांतिकि स्वीकृति दी। स्टार्ट्स भारत सरकार का कार्यक्रम है, जसि 6 राज्यों- मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान और केरल में स्वीकृत कयिा गया है।
- स्टार्ट्स कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल शकिषा की गुणवत्ता और शासन-वधि (गवर्नेंस) का सुधार है। स्टार्ट्स परयिोजना में ऐसी गतविधियिं तथा नवाचार प्रस्तावति हैं, जो समग्र शकिषा अभयिान में प्रावधानति नहीं कयि जा सकते हैं। स्टार्ट्स परयिोजना में सबके लयि शकिषा, समग्र शकिषा अभयिान, सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स और राष्ट्रीय शकिषा नीति 2020, संपूरण वदियालय दृष्टिकोण (होल स्कूल अप्रोच) शामिल रहेंगे।
- मध्य प्रदेश पावर जेनरेटगि कंपनी में अमरकंटक ताप वदियुत गृह, चर्चाई में 1660 मेगावाट क्षमता की सुपर क्रटिकिल तकनीक आधारति ताप वदियुत वसितार इकाई, जसिका क्रयिानवयन मध्य प्रदेश पावर जेनरेटगि कंपनी लिमिटेड एवं कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी एस.ई.सी.एल के मध्य गठति संयुक्त उपक्रम दवारा कयिा जाना प्रस्तावति है, के लयि नीतगित/सैद्धांतिकि स्वीकृति दी गई।
- प्रस्तावति परयिोजना की अनुमानति लागत 4665 करोड़ 87 लाख रुपए है। परयिोजना के लयि राज्य शासन दवारा 15 प्रतशित राशि अंशपूजी के माध्यम से दी जाएगी।
- योजना में उपार्जन कार्य में संलग्न राज्य की वभिनिन एजेंसियिं की हानति तथा प्रतपिर्त के संबंध में मापदंड नयित करने के लयि कृषिउत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में समति गठति होगी। इसमें खादय, सहकारति, कृषि, पंचायत एवं ग्रामीण वकिसा एवं वत्ति वभिग के अधिकारी शामिल होंगे।
- मंत्रपरिषद ने प्रदेश में पशुपालन एवं डेयरी वभिग में भारत सरकार की नवीन राष्ट्रीय पशुधन मशिन योजना का क्रयिानवयन करने का नरिणय लयिा। राष्ट्रीय पशुधन मशिन योजना को वर्ष 2014-15 में प्रारंभ कयिा गया था। जसिका उद्देश्य मुख्यतः पशु नसल वकिसा, रोजगार सृजन, पशुओं की उत्पादकता बढ़ाना, अनुसंधान कर मैदानी स्तर पर लाना तथा उदयमति वकिसा करना है।
- राष्ट्रीय पशुधन मशिन में उक्त गतविधियिं को शामिल कर तीन उप मशिन बनाए गए हैं। पहला पशुधन एवं कुक्कुट के नसल वकिसा पर उप मशिन, दूसरा चरी-चारा वकिसा उप मशिन और तीसरा इनोवेशन तथा वसितार उप मशिन है।
- राष्ट्रीय पशुधन मशिन के क्रयिानवयन से राज्य में पशुओं की नसल में सुधार होगा। पशुओं की उत्पादकता में वृद्धि होगी। नवीन तकनीक वकिसति होकर ज़मीनी स्तर पर पहुँचेगी। इससे पशुपालकों की आय में वृद्धि होगी।